भारत-ईयू समझौते की बड़ी चुनौती

एमएसएमई और निर्यातकों पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली 20 मई. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा अवसर बताते हुए कहा है कि अब सबसे बड़ी चुनौती इसे व्यवहारिक स्तर पर सफल बनाना है.

मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता केवल कूटनीतिक उपलब्धि नहीं बल्कि इसे देश के निर्यातकों, निवेशकों और रोजगार सृजन से जोड़ना असली परीक्षा होगी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने उद्योग मंडल फिक्की और सेंटर फॉर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ द्वारा आयोजित सम्मेलन में कहा कि भारत ने बातचीत का कठिन दौर पार कर लिया है, लेकिन अब इससे भी बड़ी जिम्मेदारी शुरू होती है. उन्होंने कहा कि इस समझौते का लाभ देश के हर निर्यातक, निवेशक और उद्योग तक पहुंचाना जरूरी है.

दर्पण जैन इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वार्ताकार भी रहे हैं. उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में घोषित इस एफटीए के तहत भारत के लगभग 99.5 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय संघ के बाजार में कम या शून्य शुल्क पर प्रवेश मिलेगा. इससे विशेष रूप से कपड़ा, वस्त्र, चमड़ा, जूते, रत्न और आभूषण उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है. वर्तमान में इन उत्पादों पर यूरोप में 10 से 14 प्रतिशत तक शुल्क लगता है, जबकि कुछ श्रेणियों में यह 26 प्रतिशत तक पहुंच जाता है.उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में लगभग 33 अरब डॉलर मूल्य के श्रम-प्रधान उत्पाद यूरोपीय संघ को निर्यात करता है. एफटीए लागू होने के बाद भारतीय उत्पाद यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे, जिससे रोजगार और निवेश दोनों में तेजी आने की संभावना है.

> फिक्की की महानिदेशक ज्योति विज ने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उद्योग जगत उसे कितनी प्रभावी तरीके से अपनाता है. वहीं शाही एक्सपोर्ट्स के प्रबंध निदेशक हरीश आहूजा ने निर्यातकों के लिए परीक्षण, प्रमाणन, डिजिटल अनुपालन और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने वाली प्रणालियों को मजबूत बनाने पर जोर दिया.

रुपया नये निचले स्तर पर 97 प्रति डॉलर के करीब

मुंबई, 20 मई अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये पर बुधवार को भी दबाव जारी रहा और यह 97 प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया. पिछले कारोबार दिवस पर भारतीय मुद्रा 50 पैसे लुढ़ककर 96.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था.

रुपया आज 19 पैसे गिरकर 96.89 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 96.9575 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक उतर गया. बाद में यह हालांकि 96.77 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ. खबर लिखे जाते समय रुपया 16 पैसे गिरकर 96.86 रुपये प्रति डॉलर पर था.

राजधानी में एपीओ की तीन दिवसीय बैठक

नयी दिल्ली, 20 मई एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) के अधिशासी मंडल (जीबी) की तीन दिवसीय 68वीं बैठक यहां भारत मंडपम में गुरुवार को शुरू होगी. भारत की अध्यक्षता में इस बैठक में एपीओ के 20 सदस्य देशों के 60 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे.

बुधवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21 मई को उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेंगे. एपीओ के निदेशक, सलाहकार, एपीओ सदस्य देशों के राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और आमंत्रित अतिथियों के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है. कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भूटान की सरकारों के पर्यवेक्षकों के साथ-साथ ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे. तीन दिवसीय इस

कार्यक्रम में एपीओ विजन 2030 फ्रेमवर्क, 2027-28 की द्विवर्षीय अवधि के लिए एपीओ के प्रारंभिक बजट और एपीओ महासचिव चुनाव प्रक्रियाओं की समीक्षा पर उच्च स्तरीय चर्चाएं होंगी.

> उद्घाटन सत्र के दौरान, एपीओ राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पादकता पैरोकारों और उत्पादकता तकनीकी विशेषज्ञों के लिए एपीओ राष्ट्रीय पुरस्कार की श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे . इन पुरस्कारों का उद्देश्य राष्ट्रीय उत्पादकता संगठनों की भूमिका को मजबूत करना है ताकि वे प्रभावशाली पहलों को आगे बढ़ाने वाली उत्कृष्ट उत्पादकता वाली कंपनियों को बढ़ावा दे सकें और उन्हें मान्यता दे सकें . इसके साथ ही एपीओ सदस्य अर्थव्यवस्थाओं में ठोस सुधारों की ओर ले जाने वाली उत्पादकता की संस्कृति को प्रोत्साहित कर सकें .

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का वार्षिक राजस्व बढ़कर 3,207 करोड़ पर

नयी दिल्ली, 20 मई भारती एयरटेल समूह की बुनियादी वित्तीय समाधान डिजिटली मुहैया कराने वाली कंपनी एयरटेल पेमेंट्स बैंक का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 18.4 प्रतिशत बढ़कर 3,207 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

डिजिटल बैंकिंग कंपनी ने बुधवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की. उसने बताया कि बीते वित्त वर्ष उसका शुद्ध लाभ बढ़कर 109 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसमें लाभ मार्जिन बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गया. कंपनी के पास ग्राहकों की जमा राशि साल-दर-साल 26 प्रतिशत बढ़कर 4,612 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी. उसका वार्षिक कारोबार बढ़कर 4,542 अरब रुपये हो गया. बैंक के ग्राहकों की संख्या भी बढ़ी है. बचत बैंक खाते में मासिक लेनदेन करने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़कर 2.88 करोड़ हो गयी. उपयोगकर्ताओं की संख्या के हिसाब से एयरटेल पेमेंट्स बैंक देश का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल बैंक बना हुआ है.

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुब्रत बिस्वास ने कहा, 'इस साल हमारा शानदार प्रदर्शन हमारे कारोबार के मॉडल की मजबूती और हमारे ऊपर ग्राहकों के स्थिर विश्वास को दिखाता है. हमारे सेफ सेकंड अकाउंट (सुरक्षित वैकल्पिक खाते) की व्यापक स्वीकार्यता एक सुरक्षित, निर्बाध डिजिटल बैंकिंग समाधान की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करती है.

भारत के फैसले से नेपाल परेशान

नई दिल्ली, 20 मई. भारत सरकार द्वारा चीनी निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध का असर अब पड़ोसी देश नेपाल में दिखाई देने लगा है. भारत ने कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात पर सितंबर 2026 तक रोक लगा दी है. सरकार का कहना है कि यह फैसला घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए लिया गया है. भारत के इस फैसले के बाद नेपाल में चीनी की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नेपाल का वार्षिक चीनी उत्पादन घटकर करीब 1.20 लाख टन रह गया है, जबकि पहले यह लगभग 1.55 लाख टन था. नेपाल अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा भारत से आयात करता है, इसलिए निर्यात बंद होने से वहां बाजार पर दबाव बढ़ सकता है.

गूगल एआई को मिली बड़ी रफ्तार

हर महीने जुड़े 85 लाख डेवलपर्स

190 अरब डॉलर निवेश की तैयारी

सैन फ्रांसिस्को, 20 मई गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने कहा है कि कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म को दुनिया भर में तेजी से अपनाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि हर महीने 85 लाख से अधिक डेवलपर्स गूगल के एआई मॉडल का उपयोग करके नए ऐप और डिजिटल सेवाएं तैयार कर रहे हैं.

सुंदर पिचाई ने अपने ब्लॉग में कहा कि गूगल इस वर्ष एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर 190 अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है. यह निवेश मुख्य रूप से एआई डेटा सेंटर, कस्टम सिलिकॉन चिप्स और मॉडल ट्रेनिंग तकनीकों को मजबूत बनाने पर केंद्रित होगा.

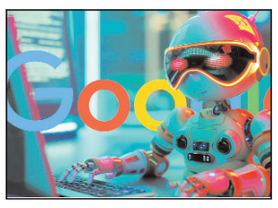

उन्होंने कहा कि कंपनी अपने एआई इकोसिस्टम में लगातार तेज वृद्धि देख रही है. डेवलपर्स, कारोबारियों और उपभोक्ताओं के बीच गूगल के एआई टूल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है.गूगल के मुताबिक, उसके मॉडल एपीआई अब प्रति मिनट करीब 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं.

> कंपनी ने बताया कि उसके एआई आधारित जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 90 करोड़ से अधिक हो गई है . यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा है . वहीं एआई ओवरव्यू फीचर के मासिक यूजर्स की संख्या 250 करोड़ के पार पहुंच गई है, जबकि एआई मोड के सक्रिय यूजर्स एक अरब से अधिक हो चुके हैं . गूगल ने कई नए एआई टूल और अपग्रेड भी पेश किए हैं . इनमें जेमिनी 3 .5 फ्लैश शामिल है, जिसे तेज कोडिंग और रियल वर्ल्ड वर्कफ्लो के लिए डिजाइन किया गया है . इसके अलावा कंपनी ने जेमिनी स्पार्क नाम का नया व्यक्तिगत एआई एजेंट भी पेश किया है, जो यूजर्स की ओर से कई कार्य कर सकेगा .

एचडीएफसी बैंक में शुरू होगा वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली, 20 मई.देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था शुरू होने जा रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैंक अपने बिजनेस और कॉर्पोरेट विभागों से जुड़ी टीमों को सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की अनुमति देने की तैयारी कर रहा है.

बताया जा रहा है कि बैंक शुरुआत में इस व्यवस्था को 30 दिनों के ट्रायल प्रोजेक्ट के रूप में लागू करेगा. यह सुविधा मुख्य रूप से उन गैर-ग्राहक-संबंधित टीमों के लिए होगी, जिनका सीधा संपर्क रोजमर्रा के बैंक ग्राहकों से नहीं होता है. इस योजना के तहत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), फाइनेंस, ऑपरेशंस, रिस्क मैनेजमेंट और कंप्लायंस जैसे बैकएंड और कॉर्पोरेट विभागों के कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा. बैंक का मानना है कि इससे कामकाज प्रभावित किए बिना कर्मचारियों को लचीलापन मिलेगा. रिपोर्ट के अनुसार, बैंक के इस फैसले से आम ग्राहकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी, क्योंकि शाखाओं और ग्राहक सेवा से जुड़े कर्मचारियों के कामकाज में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा.

आरबीआई ने बैंकिंग सेवाओं पर लगाई रोक

मुंबई, 20 मई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के यशवंत सहकारी बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है. केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और आय की संभावनाएं नहीं बची थीं, जिसके कारण यह सख्त कदम उठाया गया.

आरबीआई के बयान के अनुसार कारोबार बंद होने के बाद से बैंक को किसी भी प्रकार की बैंकिंग गतिविधि संचालित करने की अनुमति नहीं होगी. इसके साथ ही बैंक पर जमा स्वीकार करने, ग्राहकों को भुगतान करने और अन्य सभी बैंकिंग सेवाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है. केंद्रीय बैंक ने महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को बैंक को बंद करने तथा एक परिसमापक नियुक्त करने के निर्देश भी दिए हैं.

> केंद्रीय बैंक के मुताबिक, यशवंत सहकारी बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने में विफल रहा है . आरबीआई ने कहा कि बैंक का संचालन जमाकर्ताओं के हितों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता था . मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने ग्राहकों की जमा राशि लौटाने में सक्षम नहीं था, इसलिए उसे आगे कारोबार जारी रखने की अनुमति देना जनहित के खिलाफ माना गया . आरबीआई ने स्पष्ट किया कि लाइसेंस रद्द होने के बाद बैंक को तत्काल प्रभाव से सभी बैंकिंग गतिविधियां बंद करनी होंगी .

ऑटो-बैंकिंग खरीदारी से शेयर बाजार संभला

नयी दिल्ली, 20 मई ऑटो और बैंकिंग कंपनियों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार बुधवार को शुरुआती कारोबार से उबरते हुए अंत में बढ़त के साथ बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 117.54 अंक (0.16 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 75,318.39 अंक पर पहुंच गया. बाजार में आज काफी उतार-चढ़ाव रहा. बीच कारोबार में सेंसेक्स नीचे 74,529 अंक और ऊपर 75,406 अंक तक गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत चढ़कर 23,659 अंक पर बंद हुआ.

वृहत बाजार भी बाद में हरे निशान में चला गया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.49 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.04 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. तेल एवं गैस, ऑटो, बैंकिंग और रियलटी सेक्टरों में तेजी रही जबकि मीडिया, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर दबाव में रहे.

रिलायंस इंडस्ट्रीज में पौने तीन

1,584 रुपए नीचे आया सोना

2,240 रुपए गिरी चांदी

नई दिल्ली, 20 मई सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जून डिलीवरी वाला सोना करीब 1,584 रुपये टूटकर 1,58,416 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता दिखा.

सोना-चांदी कीमतों में आई गिरावट

वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी करीब 2,240 रुपये गिरकर 2,67,880 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई. सर्राफा बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं के दाम में नरमी देखने को मिली. बाजार जानकारों के मुताबिक वैश्विक बाजार में दबाव, डॉलर की मजबूती और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते सोना-चांदी में गिरावट आई है. दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद समेत देश के प्रमुख शहरों में भी सोने-चांदी के दाम नीचे आए. विशेषज्ञों का कहना है कि कीमतों में आई नरमी से ग्राहकों को राहत मिल सकती है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव का असर आगे भी जारी रह सकता है. बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जून डिलीवरी वाला सोना करीब 1,584 रुपये टूटकर 1,58,416 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता दिखा.

समाचार विशेष

निकाय चुनाव में चला ट्रिपल इंजन मॉडल

चंडीगढ़. हरियाणा के सात निकायों में से छह पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत हासिल की है. इस जीत में चुनाव को लेकर पार्टी की गंभीरता, बूथ मैनेजमेंट और संवाद की अहम भूमिका रही है. इसके साथ ही जनता ने भी पार्टी के ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा पर अपनी मुहर लगा दी है.

साल 2024 के विधानसभा चुनाव में पंचकूला और अंबाला शहर में भाजपा के उम्मीदवारों को हार झेलनी पड़ी थी. अब उन्हीं शहरों में भाजपा ने अपने मेयर जिता दिए हैं. इससे माना जा रहा है कि कांग्रेस के विधायकों की पकड़ अपने इलाके में कमजोर पड़ी है और भाजपा का जीतना बताता है कि चुनाव हारने के बाद पार्टी इन क्षेत्रों में सक्रिय रही है. इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कद भी हाईकमान की नजरों में बढ़ा है. स्थानीय निकाय चुनावों को अक्सर छोटे स्तर पर होने वाला ऐसा चुनाव माना जाता है जो यह दिखाता है कि लोग राज्य और देश की राजनीति को किस तरह देख रहे हैं. इन चुनावों से यह भी पता चलता है कि सत्ताधारी पार्टी की जमीनी पकड़ कितनी मजबूत है.

ऐसे में भाजपा की यह जीत सिर्फ सीटें जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी दिखाती है कि उसकी चुनावी तैयारी और रणनीति काफी मजबूत है. धारूहेड़ा व सांपला में भाजपा की जीत के कई मायने हैं. यह सीट भाजपा की पारंपरिक सीटें नहीं है. इस जीत से संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब उन सीटों पर भी धीरे-धीरे मजबूत हो रही, जहां वह पिछले चुनावों में कमजोर रही है. भाजपा की इस सफलता का एक बड़ा कारण यह माना जाता है कि वह हमेशा चुनावी तैयारी में लगी रहती है.

हर कोई चुनावी प्रचार में शिद्दत से जुड़ा

हरियाणा के निकाय चुनाव को भले ही कांग्रेस ने इतनी गंभीरता से न लिया हो, मगर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा शुरुआत से ही इसे अपनी साख से जोड़कर चल रही थी . इसलिए फिर चाहे मुख्यमंत्री हो या कैबिनेट मंत्री हर कोई चुनावी प्रचार में इतनी शिद्दत से जुड़ा कि जैसे ही वह खुद ही चुनाव लड़ रहा हो . रोहतक की सांपला नगर पालिका पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता है . इस क्षेत्र में भी भाजपा ने सेंध लगा दी है . यहां बीजेपी की जीत को विशेषज्ञ सिर्फ एक स्थानीय जीत नहीं मान रहे हैं, बल्कि इसे इस बात का संकेत मान रहे हैं कि कांग्रेस अपने पुराने मजबूत इलाकों में अब पहले जैसी पकड़ बनाए रखने में कमजोर पड़ रही है .

यूपी में सौ से ज्यादा सीट मांगेगी कांग्रेस

लखनऊ. पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही पार्टियों ने अगले साल के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसमें भाजपा सबसे अव्वल है और हर राज्य की प्रादेशिक पार्टियां भी उसके मुकाबले के लिए तैयारी कर रही हैं. लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस बार कांग्रेस ने भी समय से पहले शुरुआत की है.

कांग्रेस पार्टी ने भी राज्यों में चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. खास कर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तैयारी अभी से शुरू हो गई है, जहां अगले साल मार्च में विधानसभा का चुनाव होना है. जनवरी के अंत तक चुनाव की घोषणा हो जाएगी. इसका अर्थ है कि अब सात महीने

का समय बचा है. पहले दौर में पांच राज्यों, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव है. इनमें से उत्तर प्रदेश छोड़ कर कांग्रेस बाकी चार राज्यों में चुनाव जीत कर सरकार बनाने की संभावना देख रही है. लेकिन अभी बताया जा रहा है कि उसका फोकस उत्तर प्रदेश पर है.

गौरतलब है कि कांग्रेस ने पिछला लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिल कर लड़ा था. सपा ने कांग्रेस को 17 सीटें दी थीं, जिनमें से कांग्रेस छह पर जीती. यानी औसत 33 फीसदी जीत का रहा. दूसरी ओर सपा 63 सीटों पर लड़ कर 37 पर जीती. यानी उसका औसत 60 फीसदी जीत का रहा है.

> केरलम में सरकार गठन के तुरंत बाद राहुल गांधी दो दिन के रायबरेली दौरे पर पहुंचे . कहा जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने नेताओं के साथ मीटिंग शुरू कर दी है . प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे ने प्रदेश कमेटी से हर सीट पर पांच संभावित उम्मीदवारों के नाम देने को कहा है . पहले चरण में कांग्रेस 22 सौ से ज्यादा नाम मंगा रही है . उसके बाद वह एक सौ से 102 सीट पर फोकस करेगी . हर सीट पर पहले पांच और फिर तीन सीरियस उम्मीदवारों की सूची बनेगी .

नीतीश की खाली सीट से निशांत का परहेज!

पटना. बिहार विधान परिषद् की एक सीट गंवाने के बाद अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पूरी तरह एक्टिव हो गई है. एनडीए के अंदर दलों के बीच चुनावी की चर्चा हो रही है. सभी दल इस पर मंथन कर रहा है. 28 जून को विधान परिषद् की नौ सीटों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है.

इन नौ सीट में चार सीट फिलहाल जनता दल यूनाईटेड के पास है. दो-दो सीट भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के पास है. वहीं एक सीट कांग्रेस के पास है. वहीं नौ के अलावा एक सीट जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से खाली हुई है. इस पर उपचुनाव होना है.

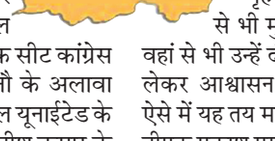

विधान परिषद् चुनाव से पहले सबसे अधिक चर्चा दो बड़े नेताओं के बेटों की है. इनमें जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश का नाम शामिल हैं. दोनों मंत्री बनाए गए हैं. दोनों किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं. दोनों को लेकर चर्चा है कि इन्हें विधान परिषद् भेजने की तैयारी चल रही है. कुछ दिन पहले दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की थी. सूत्र बता रहे हैं कि सम्राट चौधरी अपनी खाली हुई सीट पर दीपक प्रकाश को विधान परिषद् भेजेंगे. दीपक प्रकाश के मंत्री बनने से पहले उपेंद्र कुशवाहा ने गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी. वहां से भी उन्हें दीपक प्रकाश को लेकर आश्वासन मिल चुका है. ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि दीपक प्रकाश एमएलसी बनेंगे.

निशांत को लेकर जदयू में मंथन- इधर, जदयू से गुलाम गौस, भीष्म सहनी, कुमुद वर्मा, और श्रीभगवान सिंह कुशवाहा का कार्यकाल 28 जून को समाप्त हो रहा है. निशांत को लेकर चर्चा है कि वह नीतीश कुमार की खाली हुई सीट से विधान परिषद् भेजे जाएंगे.

तेजस्वी के लिए एक सीट पर उम्मीदवार तय करना बड़ी चुनौती

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी ने कहा कि राजद से मो . फारूक और सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद की सदस्यता समाप्त हो रही है . राजद को इस विधान परिषद् चुनाव में एक सीट का नुकसान होगा . विधानसभा में सीटों की संख्या कम होने के कारण राजद के पास केवल एक ही सीट बचेगा . अब एक सीट पर तेजस्वी यादव किसे चुनाव लड़वाते हैं? यह उनके लिए चुनौती होगी . क्योंकि राज्यसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने विधान परिषद् की एक सीट चाहत में आकर ही महागठबंधन को वोट दिया था . सुनील सिंह राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई भी है . वह लालू परिवार के काफी करीबी भी हैं .

विशेष ममता बनर्जी के कई मंत्री कोलकाता में चुनाव हार गए

ममता के बाद अभिषेक के गढ़ पर नजर

कोलकाता. शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी का गढ़ तोड़ दिया है. पिछली बार यानी 2021 में तो ममता बनर्जी नंदीग्राम लड़ने गई थीं, जो शुभेंदु अधिकारी का गढ़ है. वहां भी वे चुनाव हार गईं. इस बार शुभेंदु उनके गढ़ में लड़ने आए थे और भबानीपुर सीट पर उनको हरा दिया. इस तरह शुभेंदु ने ममता का गढ़ तोड़ा.

कोलकाता को लेकर तो तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा था कि भाजपा एक भी सीट जीत जाएगी तो वे सिर मुंडवा लेंगे. वहां भाजपा ज्यादातर सीटों पर जीत गई. ममता बनर्जी के कई मंत्री कोलकाता में चुनाव हार गए. अब ममता का गढ़ तोड़ने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने अभिषेक बनर्जी को चुनौती दी है. वे अभिषेक के डायमंड हार्बर के गढ़ को तोड़ने की तैयारी में हैं.

इसके लिए उन्होंने फालता विधानसभा सीट को चुना है, जहां 21 मई को चुनाव होने वाला है. गौरतलब है कि बड़ी संख्या में ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोपों की वजह से चुनाव आयोग ने फालता सीट का मतदान रद्द कर दिया था. मुख्यमंत्री बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी सबसे पहले फालता में रैली करने गए. वहां एक बड़ी रैली करके उन्होंने कहा कि एक लाख वोट से जीत चाहिए. इस सीट पर तृणमूल के जहांगीर खान चुनाव लड़ रहे हैं. उनके बारे में खबर मिली थी कि वे मतदाताओं को धमका रहे हैं. तभी केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में तैनात आईपीएस अधिकारी अजयपाल शर्मा ने वहां जाकर नाम लेकर उनको चेतावनी दी थी. फालता सीट डायमंड हार्बर लोकसभा के तहत है और अभिषेक बनर्जी का दावा है कि डायमंड हार्बर मॉडल भाजपा 10 जनम में नहीं तोड़ पाएगी. फालता में जहांगीर खान अपना जेके मॉडल भी चलाते हैं. वहां भी अगर भाजपा जीतती है तो पश्चिम बंगाल में उसकी जीत कम्पलीट मानी जाएगी.